D1- मोटापे की बीमारी HIN2A07b

अमेरिका से चली मोटापे की बीमारी ने इंग्लैंड में भी पांव पसार लिए हैं। पिछले दो वर्षो के दौरान इंग्लैंड के अलग-अलग भागों में मोटे लोगों की संख्या में नौ प्रतिशत से लेकर 15.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। इंग्लैंड में लोगों की जीवन-शैली में बड़ा बदलाव आया है। डट कर खाना-पीना, खासतौर से फास्ट फूड खाना और शारीरिक श्रम न करना उनके मोटे होते जाने का मुख्य कारण है। अंग्रेज व्यायाम या शारीरिक श्रम बहुत कम करते है और घंटों टीवी या कंप्यूटर से चिपके रहते हैं। ब्रिटेन के बहुत से लोगों, खासतौर से युवाओं तथा बच्चों में चिप्स, बर्गर, पास्ता और पिज्जा जैसे फास्ट फूड तथा जंक फूड काफी लोकप्रिय है, जिनमें चिकनाई और नमक की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इनके अलावा ये चाकलेट और मीठी चीजें खाने के भी शौकीन हैं। शारीरिक रूप से सक्रिय रहने की बजाय वे सोफे या कुर्सी पर बैठने वाले 'काउच पोटेटो' बन जाते है। उनका शरीर भी छोटी उम्र से ही आलुओं का बोरा बनने लगता है। इंग्लैंड में रहने वाले दक्षिण एशियाई मूल के लोग भी, जो आमतौर पर चपाती, नान और पराठे खाने के शौकीन हैं, अब इन्हे खुद बनाने के बजाय बाजार में खाना पसंद करते हैं। गौरतलब है कि इंग्लैंड में दुनिया भर के देशों से विविध प्रकार की खाने-पीने की चीजें काफी मात्रा में आयात की जाती हैं। भारतीय उपमहाद्वीप की हर तरह की मिठाइयों समेत ऐसी कोई चीज नहीं है जो यहां मौजूद एशियाई दुकानों में न मिलती हो। यही वजह है कि अंग्रेजों के समान एशियाई भी मोटे हो रहे हैं । ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्वास्थ्य के लिए मोटापे को सबसे बड़ी चुनौती घोषित किया है और <u>उस पर काबू पाने के लिए सैंतीस करोड़ पाउंड से भी अधिक की योजना तैयार की है</u>। <u>सरकार खाद्य पदार्थो के पैकेटों से लेकर टीवी और विज्ञापनों तक के माध्यम से लोगों को बार-बार यह संदेश दे रही है</u> कि वे प्रतिदिन कम-से कम पांच फल और सब्जियां जरूर खाएं। सरकार भोजन में नमक, चीनी की मात्रा कम करने तथा तले हुए भोजन का सेवन घटाने के बारे में भी लोगों को जागरूक कर रही है। इसके अलावा शारीरिक श्रम और व्यायाम करने के लिए भी लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। <u>स्कूलों में पौष्टिक भोजन से संबंधित पुस्तकें बांटने और बच्चों को पाक कला की शिक्षा देने की योजना भी बनाई गई है,</u> लेकिन सुविधापूर्ण जीवन-शैली और इलेक्ट्रानिक जगत में होने वाली क्रांति लोगों को लगातार मोटा और आलसी बना रही है। 'डा. फास्टर रिसर्च' नामक शोध के अनुसार पिछले दो वर्षो से उत्तरी इंग्लैंड के लोग लगातार मोटे हो रहे हैं और दक्षिण इंग्लैंड भी उनका अनुसरण कर रहा है। पहले यह माना जा रहा था कि यहां के बड़े शहरों के लोग ही अधिक मोटे हो रहे हैं, लेकिन इस शोध से पता चला कि न्यूपोर्ट, स्टाकपोर्ट और सेंट डेविड्ज जैसे कई छोटे स्थानों में भी मोटापा बढ़ रहा है। एक ओर तो पिछले पचास-साठ वर्षो के दौरान इंग्लैंड के लोगों की औसत आयु में बढ़ोतरी हुई है और दूसरी ओर इसी अवधि में वे पहले की अपेक्षा अधिक मोटे हुए है। अगर जनता में मोटापा इसी तरह बढ़ता रहा तो औसत आयु में कमी शुरू हो सकती है। सवाल उठता है कि क्या शिक्षा तथा प्रचार की सरकारी योजनाएं मोटापा रोक सकती हैं? सरकार की अच्छी से अच्छी योजनाएं भी तब तक बेकार रहेगी जब तक लोग उन पर अमल न करे और अपने खान-पान तथा रहन-सहन की आदतों को न बदलें। (...) । बढ़ते हुए मोटापे की विडंबना देखिए कि माडलिंग करने वाली लड़कियां पहले से दुबली हो रही हैं। पश्चिमी समाज दुबलेपन को सुंदरता का प्रतीक मानता है और चाहता है कि फैशन माडल हड्डियों का पिंजर दिखाई दें। <u>अव्वल तो माडलिंग का काम करने वाली लड़कियां पहले ही दुबली होती है ताकि उन्हे काम मिलता रहे</u>, लेकिन <u>अगर वे भरपेट भोजन करना भी चाहे तो फैशन शो के आयोजक और विज्ञापनदाता उन्हे ऐसा नहीं करने देते</u>। केट मास और कैरन एल्सन जैसी नामी माडलों ने फैशन उद्योग पर आरोप लगाया है कि वह उन्हे भूखा रखता है। केट मास ने एक अमेरिकी पत्रिका को दिए साक्षात्कार में कहा कि मुझे दुबलापन बहुत बुरा लगता है, लेकिन फैशन शो के दौरान आयोजक उन्हें भूखा रखते हैं। कैरन एल्सन का कहना है कि फैशन उद्योग माडलों को अस्वस्थ होने की हद तक दुबला रखता है। [डा.गौतम सचदेव: लेखक बीबीसी हिंदी के पूर्व प्रसारक हैं]

Vocabulaire

लोकप्रिय populaire, apprécié, शौकीन friand
चिकनाई (f) graisse
श्रम labeur, exercice, व्यायम (m) gymnastique
सक्रिय actif
गौरतलब digne d'attention (gaur)
विविध प्रकार diverses façons
आयात (करना) importer
स्वास्थ्य santé (मंत्रालय ministère de -), अस्वस्थ en mauvaise santé
विज्ञापन (m) publicité
चुनौती (f) défi, challenge
खाद्य पदार्थ produits alimentaires
तलना frire
घटना diminuer, baisser (ant. बढ़ना, causatif घटाना / बढ़ाना)
जागरूक vigilant (जग्रित, जगरित éveillé) जगरण (m) éveil
आलसी paresseux
प्रेरित करना inciter (प्रेरणा (m) incitation)
पौष्टिक nourrissant (पुष्ट robuste)
अवधि (f) période
औसत moyenne
प्रचार (m) , प्रसार (m) diffusion
अमल करना mettre en pratique, appliquer
आदत (f) habitude (आदी habitué, accoutumé)
विडंबना (f) ironie
प्रतीक (m) symbole
आरोप (m) लगाना accuser
हद (f) limite

Questions sur le texte

1. En deux ans l'obésité en Angleterre a augmenté :A. de 9% ; B. de 15,5% ; C. de plus de 6%
2. Les Anglais A sont traditionnellement sportifs ; B. font peu d'exercice ; C. sont physiquement actifs.
3. Les jeunes Anglais A. mangent trop salé et trop sucré ; B. préfèrent les sucreries aux plats salés ; C. consomment graisses, sel, sucre en excès
4. Les Asiatiques en Angleterre grossissent car A. ils se sont mis à cuisiner gras et sucré ; B ils mangent trop de sucreries ; B ils achètent des plats tout prêts
5. L'obésité A. freinera sans doute l'augmentation de l'espérance de vie ; B. va assurément faire baisser l'espérance de vie ; C. risque de diminuer l'espérance de vie.
6. Les régions urbaines sont les seules touchées : A. vrai ; B. faux
7. Aucune catégorie socio professionnelle de la population n'échappe au phénomène : A. vrai ; B. faux
8. Quels sont les 'mauvais' aliments nommés dans le texte ? .Quels sont les 'bons' aliments nommés ?
9. Quel est le montant du plan de lutte contre l'obésité préparé par le gouvernement britannique ?
10. Quelles sont les accusations lancées contre les industries de la mode ?

Traduire les 5 phrases soulignées. Précisez le rapport logique introduit entre les deux dernières par *lekin*.
Trouver les expressions du texte correspondant aux sens suivants : A. les personnes originaires d'Asie du Sud / d'origine indienne ; B. le Sous continent indien ;: C. réduire la quantité de sucre et de sel ; D.. réduire la consommation de plats frits ; E. depuis cinquante soixante ans ; F. on estimait auparavant ; G. la question se pose ; H. modifier ses habitudes alimentaires et son style de vie.
Diviser le texte en parties distinctes et donner un titre à ces parties